

"Success "

सफलता

Deut. 8:17-18

March 4, 2016

Theme: The primary measure of biblical success is faithfulness

बाइबल के आधारीत सफलता का माप हमारे के प्रति वफादारी है

Key Question: What are the marks of biblical success?

बाइबल आधारीत सफलता के गुण क्या है ?

1. Honor God's Gifts

हमारे के उपहार का सम्मान करो

a. Make use of His resources (v7-10)

हमारे के दीये साधन का उपयोग करो

b. Multiply His resources

हमारे की दीये जब साधन को गुना करो

Key: Using resources God provides in opportunities God provides for

purposes God designs = Biblical Success

हमारे के दीये साधन का हमारे से मिले अवसर का उनकी इच्छा अनुसार उपयोग करना = सफलता

Problem: If success is simply discovering and using our gifts, then that

can lead to selfish orientation. So what else marks biblical success?

अगर सफलता अपने मतलबों को पूरना और सम्मान करना है तो क्या बाइबल की सफलता क्या है

2. Honor God's Commands (v11) Why?

हमारे की आज्ञा का आदर करो

a. To protect from harm (v11,14-16)

पह हानी से बचायेगा

b. To protect from slavery (v14-16)

पह गुलामी से छुटकारा देगा

Key: If not a slave to God's commands, then you are a slave to the world's expectations. It's better

to be faithful to the One who cares for you.

अगर हमारे की आज्ञा नहीं मानते तो दुनिया की सुनते हैं - बेहतर है की ज। हमारी सेवा करना है हम उनकी सुने

Problem: If biblical faithfulness is success, then can anyone really succeed? And if so, how?

बाइबल के अनुसार सफलता अगर वफादारी है तो कैसे भी होसक कर सकता है - कैसे

3. Remember the Lord

हमारे को याद करके

a. His power (v17-18a)

उनकी शक्ति से

b. His Covenant (v18b)

उनकी करार से

Conclusion: In "Remembering," the Lord is our motivation and fuel for faithfulness as demonstrated in the Lord's Supper.

प्रभु हमारी प्रेरणा है और प्रभु का भाजन सफलता के लिये हमें शक्ति देता है !